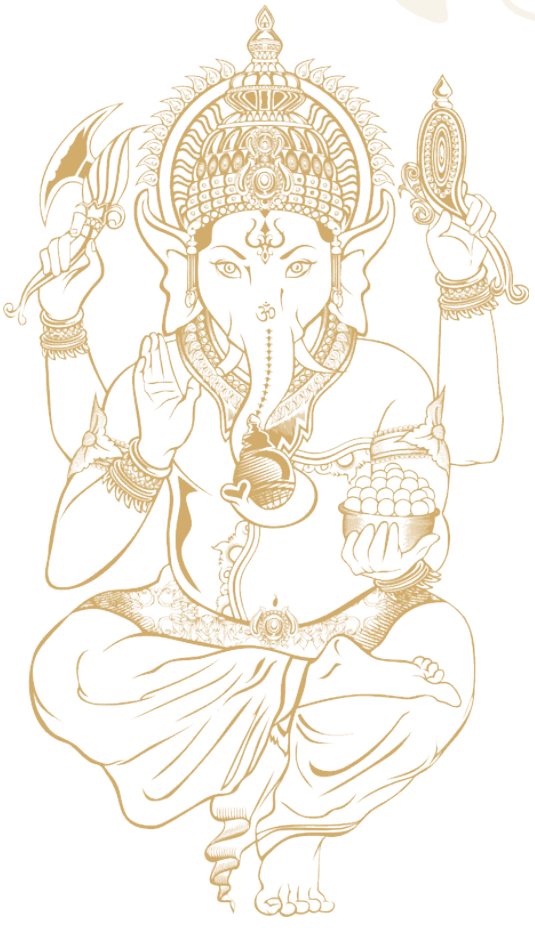

Ashutosh

Bindu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121115807

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/11/1996	जन्म तिथि	13/03/2000
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	12:45:00 घंटे
घटी 16:24:55	जन्म समय(घटी)	15:23:21 घटी
India	देश	India
Safidaun	स्थान	Panchkula
29:25:00 उत्तर	अक्षांश	30:43:00 उत्तर
76:40:00 पूर्व	रेखांश	76:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:20	स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:01	सूर्योदय	06:35:29
17:29:11	सूर्यास्त	18:29:36
23:48:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 6वर्ष 3मा 26दि	03:48:53	कुंभ	लग्न	मिथु	16:36:51	मंगल 3वर्ष 10मा 10दि
शुक्र	27:24:14	तुला	सूर्य	कुंभ	29:09:51	गुरु
12/03/2010	25:02:24	वृश्चि	चंद्र	वृष	29:18:44	22/01/2022
12/03/2030	13:46:34	सिंह	मंगल	मीन	28:56:05	22/01/2038
शुक्र 11/07/2013	04:03:43	वृश्चि	बुध व	कुंभ	09:02:55	गुरु 11/03/2024
सूर्य 11/07/2014	21:05:21	धनु	गुरु	मेष	11:15:48	शनि 22/09/2026
चन्द्र 11/03/2016	24:12:52	कन्या	शुक्र	कुंभ	05:55:13	बुध 28/12/2028
मंगल 11/05/2017	07:09:19	मीन व	शनि	मेष	19:39:26	केतु 04/12/2029
राहु 11/05/2020	13:21:20	कन्या व	राहु	कर्क	08:33:35	शुक्र 04/08/2032
गुरु 10/01/2023	13:21:20	मीन व	केतु	मक	08:33:35	सूर्य 23/05/2033
शनि 12/03/2026	07:19:29	मक	हर्ष	मक	24:56:37	चन्द्र 22/09/2034
बुध 09/01/2029	01:33:20	मक	नेप	मक	11:53:03	मंगल 29/08/2035
केतु 12/03/2030	08:43:17	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:02:42	राहु 22/01/2038

लग्न-चलित

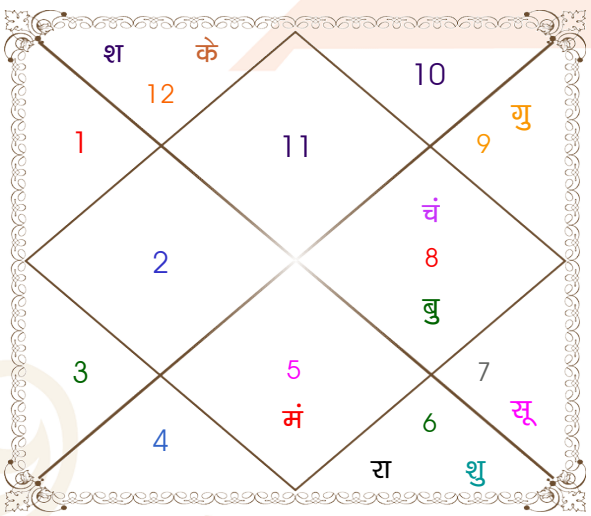

लग्न-चलित

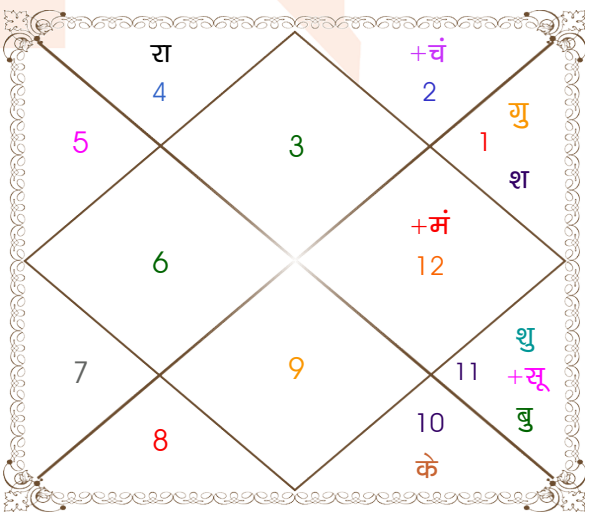

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

ीनजवी का वर्ग मृग है तथा Bindu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीनजवी और Bindu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीनजवी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ीनजवी कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bindu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Bindu कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ीनजवी तथा Bindu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।